DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

जार्ज प्रथम एवं द्वितीय के शासन का संवैधानिक महत्व II:—

जर्मन होने के कारण स्वभावत: वह जर्मन राजनीति से अधिक प्रेम रखता था। उस समय उसकी उम्र 54 साल थी। इसलिये वह अपनी पुरानी आदत को छोड़ सकता था। जबकि ऐसा करने के लिए कई बार प्रत्यन भी कर चुका था। परन्तु उसको इसमें जरा भी सफलता नही मिल सकी। उसके उत्तराधिकारी जार्ज द्वितीय की यह हालत थी यह कि हैं कि जार्ज प्रथम की कमजोरी को बहुत निकट से देख चुका था। इसलिए उसने अंग्रेजी भाषा को थोड़ा - बहुत सीख लिया था। परन्तु उसको अंग्रेजी भाषा के वक्ताओं की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता था। यही कारण है कि उसमें भी जार्ज प्रथम की भाँति इंगलैंड की राजनीति से प्रेम नहीं रखा। यह उसकी एक बहुत बड़ी कमजोरी थी कि उसने इंगलैंड की राजनीति को कभी समझने का प्रयास नहीं किया।

(2) मंत्रिमंडल से दोनो राजाओं की अनुपस्थिति :- जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय दोनो राजाओं मंत्रिमंडल की बैठक में बहुत कम उपस्थित होते थे। जिसका परिणाम इन दोनों राजाओं के लिए बहुत ही बुरा निकला।